DISNEY – RELIANCE ALL SET TO MERGE

The Disney-Reliance merger move in India comes as the proposed $10 billion combination between Zee and Sony failed to make it.

Reliance is expected to pick up around 51-54 percent stake in the company, valuing the US giant's domestic business at $3.5 billion. The valuation of Disney has taken a significant hit due to the merger, previously estimated to be at $15-$16 billion prior to the deal.9 percent will be acquired by Bodhi Tree, a joint venture between James Murdoch and former top Disney executive, Uday Shankar. Disney will hold around 40 percent stake in the merged entity.

The deal will strengthen Reliance's hold over India's $28 billion media and entertainment market, especially after a separate $10 billion merger deal between Japan's Sony and India's Zee Entertainment collapsed.

Under the deal being discussed, Viacom18, the broadcast division of Ambani's Reliance Industries, will merge with Disney's India businesses. Viacom18's shareholders include Paramount Global as well as Bodhi Tree, which invested $500 million in the Indian company last April. Shankar also serves on Viacom18's board.

A Disney-Reliance merger could face many antitrust challenges due to the market power they could wield, especially as Sony and Zee were close to a separate merged entity in India.

Disney CEO Bob Iger earlier stated that Disney's TV channels were doing well in India, but other parts of the business were struggling and it was seeking to "improve the bottom line."

The term sheet was finalized at a meeting in December in London that saw Bob Iger advisor Kevin Mayer representing Disney and Ambani advisor Manoj Modi for Reliance shaping the broad contours of the deal.■

विलय के लिए तैयार हैं डिज्नी – रिलायंस

भारत में डिज्नी–रिलायंस विलय का कदम जी और सोनी के प्रस्तावित 10 बिलियन डॉलर का संयोजन विफल होने के कारण आया है।

उम्मीद है कि रिलायंस कंपनी में लगभग 51–54 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीद लेगी, जिससे अमेरिकी दिग्गज के घरेलू कारोबार का मूल्य 3.5 बिलियन डॉलर आंका जायेगा। विलय के कारण डिज्नी के मूल्यांकन में महत्वपूर्ण गिरावट आयी है, सौदे से पहले 15–16 बिलियन डॉलर का था। जबकि 9% का अधिग्रहण बोधिट्री द्वारा किया जायेगा, जो जेम्स मरडोक और पूर्व शीर्ष डिज्नी कार्यकारी उदय शंकर के बीच एक संयुक्त उपक्रम है। विल की गयी इकाई में डिज्नी की लगभग 40 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी।

यह सौदा भारत के 28 अरब डॉलर के मीडिया और मनोरंजन बाजार पर रिलायंस की पकड़ मजबूत करेगा, खासकर जापान की सोनी और भारत के जी इंटरटेनमेंट के बीच 10 अरब डॉलर के अलग विलय सौदे के विफल होने के बाद।

जिस सौदे पर चर्चा हो रही है उसके तहत, अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज का प्रसारण प्रभाग वायकॉम 18, डिज्नी के भारतीय व्यवसायों के साथ विलय करेगा। वायकॉम 18 के शेयरधारकों में पैरामाउंट ग्लोबल के साथ–साथ बोधि ट्री भी शामिल है, जिसने पिछले अप्रैल में भारतीय कंपनी में 500 मिलियन डॉलर का निवेश किया था। श्री शंकर वायकॉम 18 के बोर्ड में भी कार्यरत हैं।

डिज्नी–रिलायंस विलय को बाजार की शक्ति के कारण कई अविश्वनीय चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, खासकर तब जब सोनी और जी भारत में एक अलग विलय वाली इकाई के करीब थे।

डिज्नी के सीईओ बॉब इगर ने पहले कहा था कि डिज्नी के टीवी चैनल भारत में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन व्यवसाय के अन्य हिस्से संघर्ष कर रहे हैं और यह 'निचले स्तर में सुधार' करना चाहता है।

टर्म शीट को दिसंबर में लंदन में अंतिम रूप दिया गया था, जिसमें डिज्नी का प्रतिनिधित्व करने वाले बॉब इगर सलाहकार केविन मेयर और रिलायंस के लिए अंबानी सलाहकार मनोज मोदी ने सौदे की व्यापक रूपरेखा को आकार दिया था। ■